पक्षी दोस्त और दुश्मन पहचानते हैं

यदि पड़ोस में रहने वाली कोई उत्तेजित चिड़िया आपको नोचती दिखाई दे तो यह आपकी कल्पना मात्र नहीं है। एक मॉकिंगबर्ड (गाने की नकल उतारने वाली अमेरिकी चिड़िया) ने फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के कैम्पस में अपना घोंसला बनाया था। उसके घोंसले को छेड़ने वाले व्यक्ति को उसने दो बार में पहचान लिया था और अगले दिनों में उस पर हमला करती रही थी।

मॉकिंगबर्ड अपना इलाका चिन्हित करने वाले पक्षी हैं। यह सामान्यतः दक्षिणी और पूर्वी यू.एस. में पाई जाती है। ये चिड़िया केवल बिल्लियों और कौओं पर आक्रमण करती हैं, मनुष्यों को बख्श देती हैं।

मगर जब फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी के दो विद्यार्थियों ने उनके घोंसले के साथ छेड़छाड़ की तो इस चिड़िया ने चुन-चुनकर उन पर हमला किया।

प्राणी शास्त्र के प्रोफेसर डगलस लेवी ने यह देखने के लिए एक प्रयोग किया कि क्या यह चिड़िया व्यक्तियों को अलग-अलग पहचान पाती है। इस प्रयोग में एक व्यक्ति ने चार दिनों तक रोज़ाना उस चिड़िया के घोंसले को हाथ लगाया। पांचवे दिन एक अन्य व्यक्ति ने यही प्रक्रिया दोहराई। घोंसले के साथ छेड़खानी करने वाले पहले व्यक्ति पर चिड़िया ने हर बार पहले से अधिक दूरी से ही आक्रमण करना शुरू कर दिया। लेकिन दूसरे व्यक्ति पर ये आक्रमण अपेक्षाकृत हल्के थे। गौरतलब है कि इन व्यक्तियों ने रोज़ अलग-अलग पोशाकें पहनी थी। यानी चिड़िया ने उन्हें शक्ल-सूरत, डील-डौल से पहचाना होगा।

लेवी का कहना है कि प्राणी विज्ञान में प्राकृतिक परिस्थिति में प्राणियों में इस तरह का व्यवहार प्रदर्शन पहली बार दर्शाया गया है।

उनका सोचना है कि चिड़ियाओं में इस तरह के गुण का विकास मुनष्यों से संपर्क से पहले हुआ होगा। मॉकिंगबर्ड अपने घोंसले के आसपास चल रहे समस्त क्रियाकलापों के प्रति संवेदी होती हैं, केवल मनुष्य के प्रति नहीं। इस संवेदना के साथ ही उनमें शहरी परिवेश में सफलतापूर्वक प्रजनन करने की क्षमता आती है क्योंकि इस तरह की प्रतिक्रिया वे केवल खतरे के प्रति देती हैं, हर राहगीर के प्रति नहीं। ***(स्रोत फीचर्स)***